Method of Evaluation

तरीके

↓

मुल्यांकन
या
आकंलन

उद्देश्य → मूल्यांकन

Objectives of Evaluation

इसका main objective learning की सफलता और असफलताओं के बारे में teacher और students दोनों को continuous feedback देना है। Evalution से सम्बन्धित objectives निम्नलिखित हैं-

(I) Improvement of Instructions: Evaluation system से teacher अपनी teaching के weak points को जानकर उसमें improvement कर सकते हैं।

(II) Clarification of Instructional Objectives : यह evaluation के main objectives में से एक initial stage में instruction के objectives का स्पष्टीकरण और final stage पर ऐसे objectives की उपयुक्ततम को examine करना।

(iii) Promotion of Better Learning : Learning evaluation के system से काफी हद तक effected होती है। Students examiner की expectations पर खरा उतरने का प्रयास करते हैं तथा examination result उनके लिए incentive का कार्य करते हैं, जिससे वे ज्यादा सीखम्रे के लिए अधिक परिश्रम करते हैं।

(iv) Bases of Classification and Promotion : Evaluation का result higher education के लिए learners की क्षमता और उपयुक्तता को determine करता है। यह learners के classifi-cation और next class नें जाने में उनकी help करता है।

पाठ्यक्रम

(v) Curriculum Planning and Improvement : Evaluation का result अनुदेशात्मक उद्देश्यों की planning और modification में help करता है। ये leanters की weakness को ढूँढने में helpful होती है।

(VI) Yelp in Prognosis and Diagnosis : Examinations teacher को students के evaluation मे help करते हैं।

VIth class → Maths

VIIth class → → Maths

↓ Problems

Characteristics of Evaluation

इसके अन्तर्गत quantitative और qualitative data का व्यवस्थित collection होता है-

(I) Evaluation व्यापक है। यह student की न- केवल शैक्षिक स्थिति से सम्बन्धित होता है, बल्कि उसकी Growth के सभी संज्ञानात्मक और गैर-संज्ञानात्मक पक्षों से भी सम्बन्धित होता है।

(II) Evaluation में students की learning के विष्य में information collect करने के लिए सभी साधन्त included होते हैं। Evaluator check list; tests, observation, interview, value judgement एव rating

scale का प्रयोग student के बारे में विश्वसनीय और पूर्ण सूचनाएँ एकत्रित करने के लिए करता है।

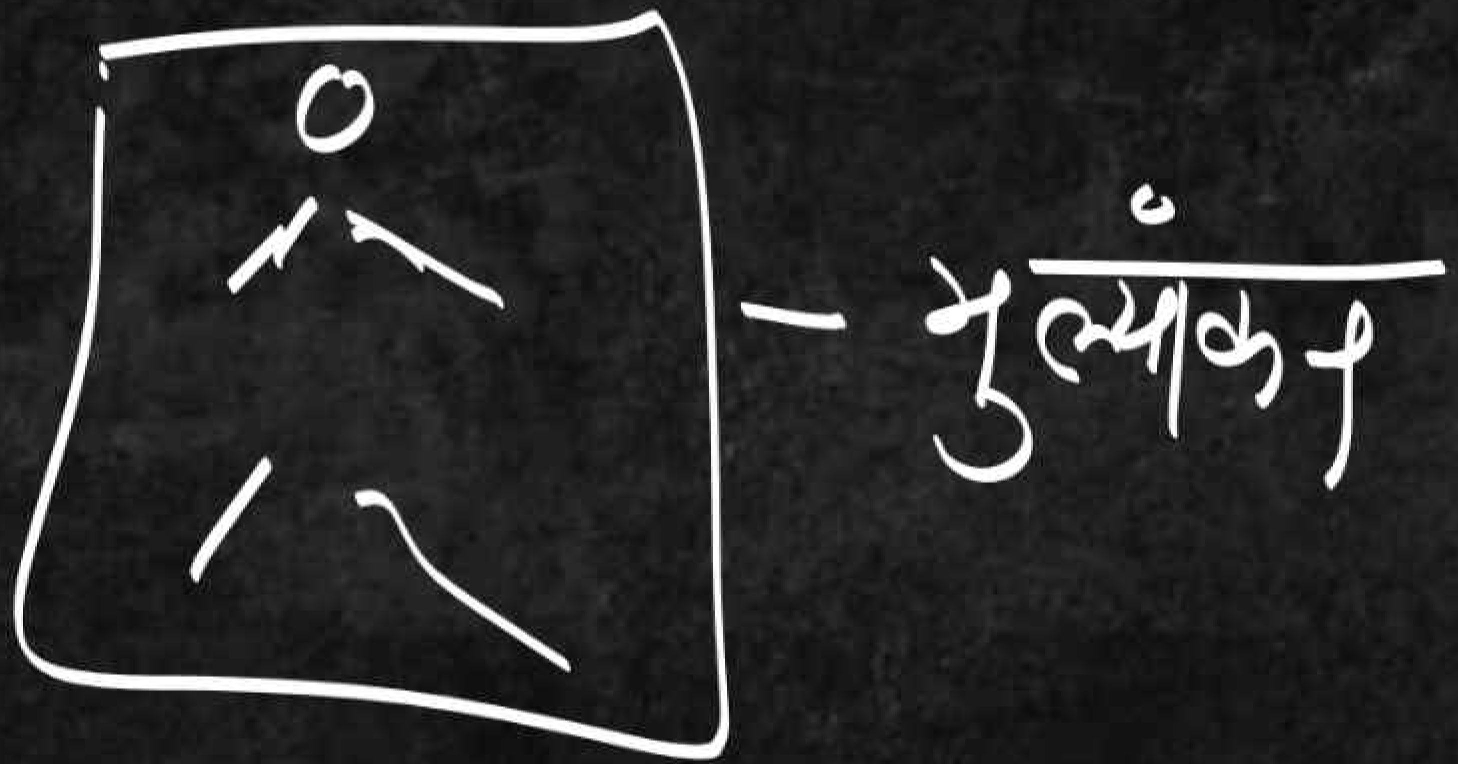

Process of Evaluation

Evaluation की process system के द्वारा दिये गये educational objectives और learning experiences को ध्यान में रखती है। तीन तत्व educational objectives, learning experience और evaluation के बीच एक त्रि-धुवीय relation होता है। इस relation को नीचे दिये गये triangle के द्वारा represent किया जा सकता है।

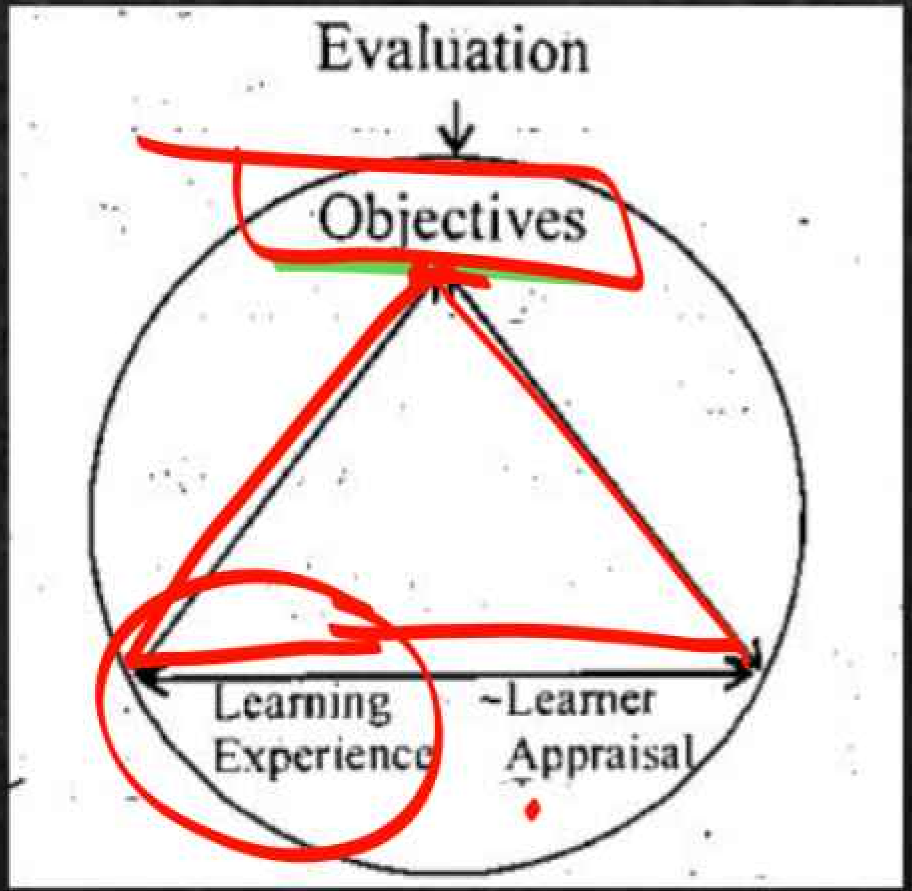

(I) Learning experiences students के द्वारा classroom में प्राप्त किये गये experiences हैं । ये experiences शैक्षिक उद्देश्यों के साथ rhythm रखने वाले और students की concepts को सही ढंग से समझने में help करने वाले होने चाहिए।

(II) Evaluation यह जानने की एक क्रिया है कि teaching process में किस सीमा तक educational objectives obtain किये गये और students ने learning experiences की मदद से achievement के level को कितना प्राप्त किया ?

Methods & Types of Evaluation

Evaluation अनेक प्रकार से किया जा सकता है, जो निम्नलिखित हैं-

(I). External Evaluation : Learner की शारीरिक दक्षता उसकी understanding, interest, उसका attitude एवं aptitude और उसकी विशेषताओं का evaluation करना ही external evaluation है।

(II) Internal Evaluation : Learner की उपलब्धियों के content side को evaluate करेने के लिए काम में आने वाला evaluation ही internal evaluation कहलाता है। यह मापदण्ड (criteria) पर निर्भर करता है।

(III) Formative Evaluation : इसे process-oriented कहा जाता है। इसमें teaching learning process के सन्दर्भ में information और feedback लेना शामिल होता है। यह classroom की स्थिति में learning experiences

का आकलन करने के लिए किया जाता है। इसे किसी भी curriculum learning, result etc. से relate किया जाता है। इसके important tools हैं जैसे-diaries, check-lists, objective type tests etc. यह instruction की अवधि के दौरान students के learning experiences को monitor करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

(IV) Summative Evaluation: यह goal oriented होता है। यह एक programme के अन्तिम product पर ध्यान केन्द्रित करता है। यह teaching learning process में learning outcome से concerned होता है। Annual examinations जोकि learner के higher class में जाने के लिए या same class में रहने का परिणाम देती है, Summative evaluation के example हैं।

वार्षिक पेपर

(V) Continuous Comprehensive Evaluation : Evaluation सभी पक्षों में learning की Performance competency को जानने के लिए एक comprehensive process है। Continuous comprehensive evaluation (CCE) को learner के सम्बन्ध मे उसकी progress को जानने के लिए conduct किया जाता है।

Tools or Device of Evaluation

Evaluation के tools या devices निम्नलिखित हैं-

(i) Paper-pencil tests : Tests और examinations को evaluation के major tool के रूप में जाना जाता है। इसी कारण से paper और pencil tests के आधार पर teacher का अनुमान एक student की ability या achievement को एकमात्र उपाय के रूप में स्वीकार किया, गया था। Paper और pencil tests का use हमारे schools और colleges में other evaluation tools या techniques के सम्बन्ध में किया जा रहा है।

(II) Questionnaire: यह evaluation का useful tool है। व्यक्तियों से उनकी tastes और aptitudes के विषय में जानने के लिए एक list में से questions पूछे जाते हैं। ये oral या written दोनों प्रकार के हो सकते हैं, किन्तु interview सदैव oral ही होता है। जब इसका प्रयोग students की राय लेने के लिए किया जाता है, तो यह opinionative कहलाता है।

(III) Observation : यह students के behaviour का observation करने के लिए important techniques है। यह एक ऐसी device हैं, जिसके द्वारा व्यक्ति या व्यक्तियों के external behaviour को controlled या uncontrolled स्थितियो में देखा और रिकॉर्ड किया जा सकता है।

(IV) Check-list : यह questionnaire का ही दूसरा रूप है। specific statement, behaviour और questions की एक list तैयार करके pupils उसमें अपनी choice के अनुसार answer को mark करने या जिससे वे agree हों, उस पर एक particular sign लगा सकते हैं।

1. The assessment of students writing should most importantly focus on:

(A) keeping to the word limit ✗

(B) using idioms and metaphors ✗

(C), correct spelling and grammar

(D) expressions and ideas

अभिव्यक्ति — विचार

enable - योग्य बनाना

2. Children's oral language development forms an important foundation for learning literacy. Which of the following class-room practices enables oral language development?

(A) Memorizing and reciting poems in-dividually or in a chorus

(B) Chorus reading of a story in the text-book along with the teacher

(C) Practising the correct pronunciation of words in a chorus

(D) Participating in role-plays on favorite stories.

3. A teacher of class III realizes that vocabulary development is an important fac-tor in enabling students to become better readers. Of the following, which might be a good strategy for vocabulary development ?

(A) Students underline difficult words from a text and make sentences with them.

(B) Students learn to use the context to guess the meaning of new words.

(C) Students memorise extensive word-list of synonyms and antonyms.

(D) Students consult a dictionary when-ever they come across a new word.

4. Scribbling is a stage of:

(A) Speaking

(B) Listening

(C) Writing

(D) Reading

5. Students-generated corrections are important in language learning because :

(A) students revise and edit the errors in their own writing or speech

(B) they indicate active engagement in the learning process

(C) more time can be given to grammar drills before production

(D) teachers can conduct more remedial classes